CBSE Class 12 Hindi Core 2011 - Set 2/1

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

Time Allowed: 3 Hours **Maximum Marks: 100**

General Instructions

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 14 मुख्य प्रश्न हैं।
(ii) उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।
(iii) प्रत्येक प्रश्न के साथ दिए गए निर्देशों, आंतरिक विकल्पों तथा शब्द-सीमाओं का पालन कीजिए।
(iv) प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए अतिरिक्त 15 मिनट दिए गए हैं। इस अवधि में उत्तर न लिखें।

Section क

1(क). निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: नए युग में विचारों की नई गंगा कहाओ तुम, कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफ़ाँ में नहाओ तुम। अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो, अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने — सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो, तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है — उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम। पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे, करोड़ों दीन-हीनों को नया जीवन दिला दोगे। तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी — कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे। नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम। यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ निश्चय कर लें तो क्या-क्या कर सकते हैं?

1(ख). नवयुवकों से क्या-क्या करने का आग्रह किया जा रहा है?

1(ग). युवक यदि परिश्रम करे तो क्या लाभ होगा?

1(घ). आशय स्पष्ट कीजिए: कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।

1(ङ). काव्यांश में से कोई एक मुहावरा चुनकर उसका वाक्य-प्रयोग कीजिए।

2(क). निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: कुछ लोगों को अपने चारों ओर बुराइयाँ देखने की आदत होती है। उन्हें हर अधिकारी भ्रष्ट, हर नेता बिका हुआ और हर आदमी चोर दिखाई पड़ता है। लोगों की ऐसी मनःस्थिति बनाने में मीडिया का भी हाथ है। माना कि बुराइयों को उजागर करना मीडिया का दायित्व है, पर उसे सनसनीख़ेज़ बनाकर 24 × 7 चैनलों में बार-बार प्रसारित कर उनकी चाहे दर्शक-संख्या (TRP) बढ़ती हो, आम आदमी इससे अधिक शंकालु हो जाता है और यह सामान्यीकरण कर डालता है कि सभी ऐसे हैं। आज भी सत्य और ईमानदारी का अस्तित्व है। ऐसे अधिकारी हैं जो अपने सिद्धान्तों को रोज़ी-रोटी से बड़ा मानते हैं। ऐसे नेता भी हैं जो अपने हित की अपेक्षा जनहित को महत्त्व देते हैं। वे मीडिया-प्रचार के आकांक्षी नहीं हैं। उन्हें कोई इनाम या प्रशंसा के सर्टीफ़िकेट नहीं चाहिए, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कोई विशेष बात नहीं कर रहे, बस कर्तव्यपालन कर रहे हैं। ऐसे कर्तव्यनिष्ठ नागरिकों से समाज बहुत-कुछ सीखता है। आज विश्व में भारतीय बेईमानी या भ्रष्टाचार के लिए कम, अपनी निष्ठा, लगन और बुद्धि-पराक्रम के लिए अधिक जाने जाते हैं। विश्व में अग्रणी माने जाने वाले देश का राष्ट्रपति बार-बार कहता सुना जाता है कि हम भारतीयों-जैसे क्यों नहीं बन सकते। और हम हैं कि अपने को ही कोसने पर तुले हैं! यदि यह सच है कि नागरिकों के चरित्र से समाज और देश का चरित्र बनता है, तो क्यों न हम अपनी सोच को सकारात्मक और चरित्र को बेदाग़ बनाए रखने की आदत डालें। उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

2(ख). लेखक ने क्यों कहा है कि कुछ लोगों को अपने चारों ओर बुराइयाँ देखने की आदत है?

2(ग). लोगों की सोच को बनाने-बदलने में मीडिया की क्या भूमिका है?

2(घ). अपनी टी.आर.पी. बढ़ाने के लिए कुछ चैनल क्या करते हैं? उसका आम नागरिक पर क्या प्रभाव पड़ता है?

2(ङ). 'आज भी सत्य और ईमानदारी का अस्तित्व है' — पक्ष या विपक्ष में अपनी ओर से दो तर्क दीजिए।

2(च). आज दुनिया में भारतीय किन गुणों के लिए जाने जाते हैं?

2(छ). किसी संपन्न देश के राष्ट्रपति का अपने नागरिकों से भारतीयों-जैसा बनने के लिए कहना क्या सिद्ध करता है?

2(ज). लेखक भारतीय नागरिकों से क्या अपेक्षा करता है?

2(झ). प्रत्यय अलग कीजिए — नागरिक, ईमानदारी।

2(ञ). उपसर्ग अलग कीजिए — बेदाग़, अधिकारी।

2(ट). सरल वाक्य में बदलिए — ऐसे अधिकारी हैं जो अपने सिद्धान्तों को रोज़ी-रोटी से बड़ा मानते हैं।

Section ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: (क) मेरा प्रिय एफ.एम. चैनल (ख) राष्ट्रमंडल-खेलों में भारतीयों का प्रदर्शन (ग) बाढ़ की विभीषिका (घ) वैर नहीं, मैत्री करना सिखाते हैं धर्म

4. बढ़-चढ़कर दावा करने वाले और भ्रामक प्रचार करने वाले विज्ञापनों से ग्राहकों, उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी का उल्लेख करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। दो सुझाव भी लिखिए।

OR

4. अपने पसंदीदा कार्यक्रम की चर्चा करते हुए उस टी.वी. चैनल के कार्यक्रम निदेशक को पत्र लिखकर कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बनाने के दो सुझाव दीजिए।

5(क)(i). संक्षेप में उत्तर लिखिए: पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं?

5(क)(ii). संपादक के दो प्रमुख उत्तरदायित्वों का उल्लेख कीजिए।

5(क)(iii). 'समाचार' शब्द को परिभाषित कीजिए।

5(क)(iv). मुद्रित माध्यम की एक विशेषता बताइए जो इलैक्ट्रॉनिक माध्यम में नहीं है।

5(क)(v). इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता के दो कारण बताइए।

5(ख). 'युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति' अथवा 'किसानों की समस्याओं की अनदेखी' विषय पर एक आलेख लिखिए।

6. 'मेरे स्कूल का पुस्तकालय' अथवा 'मेरे शहर में प्रदूषण' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए।

Section ग

7(क). निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: छोटा मेरा खेत चौकोना काग़ज़ का एक पत्रा, कोई अंधड़ कहीं से आया क्षण का बीज वहाँ बोया गया। कल्पना के रसायनों को पी बीज गल गया निःशेष; शब्द के अंकुर फूटे, पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष! खेत की तुलना काग़ज़ के पत्रे से क्यों की गई है?

7(ख). खेत अगर काग़ज़ है तो बीज क्या है? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

7(ग). काव्य-पंक्तियों के आधार पर किसी कवि की रचना-प्रक्रिया को क्रम से समझाइए।

7(घ). रचना में विचारों के अंधड़ की क्या भूमिका है? स्पष्ट कीजिए।

OR

7(क). बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं। नारि हानि बिसेष छति नाहीं॥ अब अवलोकु सोकु सुत तोरा। सहिहि निठुर कठोर उर मोरा॥ निज जननी के एक कुमारा। तात तासु तुम्ह प्रान अधारा॥ सौंपेसि मोहि तुम्हहिं गहि पानी। सब बिधि सुखद परम हित जानी॥ उतरु काह दैहउँ तेहि जाई। उठि किन मोहि सिखावहु भाई॥ 'उठि किन मोहि सिखावहु भाई' — कौन किसे कह रहा है? काव्यांश का संदर्भ क्या है?

7(ख). पंक्तियों के आधार पर भाई के प्रति राम के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए।

7(ग). 'उतरु काह दैहउँ तेहि जाई।' 'तेहि' किसे कहा गया है? उसके समक्ष जाने में राम को क्या संकोच है?

7(घ). इन पंक्तियों में नारी के बारे में तुलसी की जो मान्यता उजागर हुई है, उस पर अपने विचार लिखिए।

8(क). निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ, जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते — मैं अपने मन का गान किया करता हूँ। रूपक अलंकार का एक उदाहरण चुनकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

8(ख). काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

8(ग). अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण चुनकर लिखिए।

OR

8(क). अथवा: नहला के छलके-छलके निर्मल जल से, उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को जब घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े। काव्यांश की रचना किस छंद में हुई है? उस छंद की क्या विशेषता है?

8(ख). काव्यांश से हिन्दी, उर्दू और लोकभाषा के उदाहरण छाँटकर लिखिए।

8(ग). भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए: किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को जब घुटनियों में लेके है पिन्हाती कपड़े।

9(क). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: "'कैमरे में बंद अपाहिज़' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

9(ख). सिद्ध कीजिए कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्र है।

9(ग). भाव स्पष्ट कीजिए — 'विप्लव रव से छोटे ही हैं शोभा पाते।'

10(क). निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेज़िंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति — शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं। लेखक और पाठ के नाम का उल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किस समस्या की चर्चा है।

10(ख). बाज़ार को सार्थकता कौन दे सकते हैं और कैसे?

10(ग). 'पर्चेज़िंग पावर' का क्या तात्पर्य है? पर्चेज़िंग पावर का गर्व बाज़ार का क्या अहित करता है?

10(घ). 'बाज़ार का बाज़ारूपन' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

OR

10(क). अथवा: मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते कि झड़ना निश्चित है! सुनता कौन है? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो काल-देवता की आँख बचा जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो। जमे कि मरे! लेखक और पाठ के नाम का उल्लेख करते हुए बताइए कि गद्यांश में किस वनस्पति का उल्लेख है।

10(ख). भोले किन्हें कहा गया है और क्यों?

10(ग). आशय स्पष्ट कीजिए — हिलते-डुलते रहो, ... जमे कि मरे!

10(घ). शिरीष के फूलों की वह विशेषता क्या है जिसके कारण लेखक को यह सब कहना पड़ा?

11(क). निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: "उनको यह नमक देते वक़्त मेरी तरफ़ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा। तो बाक़ी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा।" 'नमक' कहानी में लाहौर के कस्टम अधिकारी के इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तीन तर्क दीजिए।

11(ख). डॉ. भीमराव आंबेडकर की कल्पना के आदर्श समाज की आधारभूत बातें संक्षेप में समझाइए।

11(ग). लेखक ने चार्ली चैप्लिन का भारतीयकरण किसे कहा है और क्यों?

11(घ). 'इंदर सेना' क्या थी? जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस प्रकार सही ठहराया?

11(ङ). "भक्तिन अच्छी है — यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं।" लेखिका के इस कथन के आलोक में भक्तिन के चरित्र की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

12(क). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 'जूझ' कहानी के आधार पर लेखक में कविता के प्रति रुचि जगाने और कविता करना सिखाने में उसके अध्यापक के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

12(ख). "किशन दा को अपना आदर्श मानने के फेर में यशोधर नई पीढ़ी के साथ भी तालमेल नहीं बिठा पाते।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

12(ग). यह कैसे कहा जा सकता है कि सिंधु-सभ्यता में भव्यता का आडंबर नहीं था?

13(क). निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी होगी?

13(ख). मुअनजो-दड़ो कहाँ है तथा क्यों प्रसिद्ध है?

13(ग). 'सिल्वर वेडिंग' के आधार पर 'जो हुआ होगा' कथन के दो अर्थ लिखिए।

14. ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी में नारी-स्वतंत्रता की जो कल्पना की है, आज उस स्थिति में कितना परिवर्तन आया है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

OR

14. 'जूझ' कहानी के शीर्षक का औचित्य सिद्ध कीजिए।

- End of Question Paper -